महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

बाजार में सकारात्मक माहौलआईटी और बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त उछाल

मुंबई, 14 अगस्त. घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दो सप्ताह की तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों का रुख महंगाई के आंकड़ों और अमेरिका में फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों के बारे में फैसले पर निर्भर करेगा.खुदरा मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े गत शुक्रवार को बाजार बंद होने पर जारी किये गये थे. वहीं, कल यानी सोमवार को थोक महंगाई के आंकड़े भी जारी होंगे.

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दरों पर बैठक मंगलवार और बुधवार को होगी और दूसरे दिन बयान जारी किया जायेगा. इन सभी कारकों का बाजार पर असर देखने को मिलेगा. खुदरा महंगाई दर जुलाई की तुलना में बढ़कर 2.07 प्रतिशत पर रही. खाद्य मुद्रास्फीति जहां एक बार फिर शून्य से नीचे रही, वहीं गैर-खाद्य मुद्रास्फीति भी नियंत्रण में है. इससे बाजार में निवेशकों का भरोसा बढ़ा है. निवेशकों की नजर अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता पर भी रहेगी. बीते सप्ताह शेयर बाजार में प्रमुख सूचकांक पांचों दिन बढ़त के साथ बंद हुये. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,193.4 अंक की साप्ताहिक तेजी के साथ शुक्रवार को 81,04.70 अंक पर बंद हुआ. इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 373 अंक यानी 1.51 प्रतिशत चढ़कर 25,114 अंक पर पहुंच गया.

> मझौली और छोटी कंपनियां भी दिग्गज कंपनियों की राह पर रहीं. सप्ताह के दौरान निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 2.10 प्रतिशत और स्मॉलकैप 1.0 प्रतिशत मजबूत हुये. सप्ताह के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में चार प्रतिशत के अधिक की तेजी रही. सार्वजनिक बैंकों का सूचकांक करीब तीन प्रतिशत बढ़त में रहा. ऑटो और धातु सूचकांक दो प्रतिशत के अधिक चढ़े. निफ्टी फार्मा में करीब दो प्रतिशत की तेजी रही. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूह का सूचकांक एक प्रतिशत टूट गया. सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर हरे निशान में रहे. बीईएल में 7.63 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही. बजाज ऑटो का शेयर 6.9 प्रतिशत, इंफोसिस का 5.62 प्रतिशत और अडानी पोर्ट्स का 5.36 प्रतिशत चढ़ा. एक्सिस बैंक का शेयर 4.65 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा.

श्वेत वस्तुओं की पीएलआई योजना में दोबारा निवेश का मौका

नई दिल्ली, 14 सितंबर. सरकार ने श्वेत वस्तुओं के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत आवेदन की विंडो एक बार फिर से खोलने का ऐलान किया है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह निर्णय बाजार की तेजी से बढ़ती मांग और उद्योग में बढ़ते भरोसे को देखते हुए लिया गया है. यह कदम को गति देने की दिशा में एक और मजबूत कदम माना जा रहा है. मंत्रालय ने बताया कि उद्योग जगत की ओर से इस योजना के लिए अतिरिक्त निवेश की मजबूत मांग आ रही थी. इसी को देखते हुए आवेदन विंडो फिर से खोली जा रही है. योजना के तहत कंपनियों को उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन मिलता है, जिससे घरेलू निर्माण को बल मिलता है.

सार्वजनिक बैंकों से परिचालन और मजबूत बनाने का आग्रह

नयी दिल्ली, 13 सितंबर. वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा की आकांक्षा रखने, संचालन और परिचालन को अधिक सुदृढ़ करने और पारंपरिक तथा उभरते दोनों उद्योगों में क्षेत्रीय चैंपियन के रूप में अपनी भूमिका का विस्तार करने का आह्वान किया है.

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मंथन-2025 के आरंभिक सत्र में कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अस्तित्व और स्थिरता के चरण से आगे बढ़ चुके हैं और अब वे विकसित भारत 2047 की यात्रा में विकास, नवाचार और नेतृत्व के चैंपियन के रूप में एक बड़ी भूमिका निभाने की स्थिति में हैं.इस दौरान हुई चर्चाओं में इस बात पर भी जोर दिया गया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बैंकों के रूप में विकसित होने की आकांक्षा रखनी चाहिये. इसके लिए उनके पास विदेशों में भारतीय उद्यमों का समर्थन करने और दुनिया भर के अग्रणी वित्तीय संस्थानों के साथ खड़े होने के लिए बड़े पैमाने के वित्तपोषण की क्षमता, उपस्थिति और अन्य जरूरी क्षमताएं होनी चाहिये.

डीएफएस द्वारा आयोजित दो दिवसीय पीएसबी मंथन-2025% शनिवार को गुरुग्राम में समापन हुआ.कार्यक्रम के समापन पर जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार डीएफएस की अध्यक्षता में आयोजित इस मंथन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ-साथ, रिजर्व बैंक, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, प्रौद्योगिकीविद और बैंकिंग व्यवसायी के प्रतिनिधि शामिल थे. चर्चाओं में प्रक्रिया सरलीकरण, ग्राहक असंतोष का समय पर निवारण और निर्बाध सेवाएं प्रदान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया.

इन्होंने किया संबोधित

इसके विभिन्न सत्रों में आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे.; सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन; सेबी के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन; आईआरडीएआई के पूर्व अध्यक्ष देबाशीष पांडा; आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर - आर गांधी, एन.एस. विश्वनाथन और एम.के. जैन; और एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार और दिनेश कुमार खारा ने संबोधित किया. इन दो दिनों में मंथन शिविर में सात पैनल चर्चाएं, तीन विशेषज्ञ सत्र, एक फायरसाइड चैट और एक खुली चर्चा का सत्र हुआ.

सोना के भाव में जबरदस्त उछाल

1.09 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पार

नयी दिल्ली, 13 सितंबर. सोने और चांदी की कीमतों में लगातार बढ़त का सिलसिला इस हफ्ते भी जारी रहा. बीते सप्ताह की शुरुआत में मामूली नरमी के बाद सोने ने जबरदस्त उछाल दिखाया और एक बार फिर लाइफटाइम हाई स्तर पर पहुंच गया.

चांदी भी इस रेस में पीछे नहीं रही और इसने भी नया रिकॉर्ड बना डाला. अगर आप ज्वेलरी खरीदने या निवेश का मन बना रहे हैं, तो मौजूदा कीमतों को जानना आपके लिए बेहद जरूरी है.बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, डॉलर में उतार-चढ़ाव और केंद्रीय बैंकों की नीतियों के कारण सोने-चांदी की मांग बढ़ी है. साथ ही, आने वाले त्योहारी सीजन और शादी-ब्याह की तैयारी के चलते घरेलू बाजार में भी इनकी खरीदारी तेज हुई है.

अगर यही रफ्तार जारी रही, तो अगले सप्ताह तक सोना 1.10 लाख प्रति 10 ग्राम और चांदी रु. 1.30 लाख प्रति किलो के पार जा सकती है.सोने की चमक जहां लगातार बढ़ रही है, तो वहीं चांदी भी पीछे नहीं है और ये लगातार नए रिकॉर्ड बनाती जा रही है. बीते एक हफ्ते में सिल्वर प्राइस भी आसमान पर पहुंचा है.

एफपीआई ने सितंबर में निकाले 8,610 करोड़ रुपये

मुंबई, 14 सितंबर. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर माह में अबतक घरेलू पूंजी बाजार से 8,610 करोड़ रुपये निकाले हैं. एफपीआई ने इक्विटी में 10,782 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है. डेट में उनका निवेश शुद्ध रूप से सकारात्मक रहा है. उन्होंने डेट में 2,68 करोड़ रुपये लगाये.हाइब्रिड इनस्ट्रूमेंट और म्यूचुअल फंड से एफपीआई ने पूंजी निकासी की. हाइब्रिड में उन्होंने 82 करोड़ रुपये की म्यूचुअल फंड में 718 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की. यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बाजार में बिकवाल बने हुये हैं.

रूस से तेल आयात बंद करें नाटो देश : ट्रंप

चीन पर 50 से 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का आह्वान

वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार

वाशिंगटन, 13 सितंबर (वार्ता). अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों से रूस से कच्चे तेल का आयात बंद करने और चीन पर 50 से 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का आह्वान किया.

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर शनिवार को नाटो देशों को लिखे एक पत्र को सार्वजनिक किया है. इसमें नाटो पर रूस के खिलाफ जीतने के लिए अपनी पूरी प्रतिबद्धता न दिखाने का आरोप लगाते हुये कहा गया है कि कुछ देशों का रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखना स्तब्धकारी है. उन्होंने सभी नाटो देशों के तैयार होने के बाद रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की भी बात कही है. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि रूस से तेल खरीद जारी रखने से उसके साथ आपकी सौदेबाजी की क्षमता प्रभावित होती है. उन्होंने कहा है कि वह रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं और नाटो देश जब इसके लिए तैयार हों तो बता दें. उन्होंने कहा है कि इसके अलावा नाटो देशों को एक समूह के रूप में चीन पर 50 प्रतिशत से 100 प्रतिशत आयात शुल्क लगाना चाहिये. जिसे बाद में यूक्रेन-रूस युद्ध की समाप्ति के बाद पूरी तरह हटा लिया जाना चाहिये. उनकी राय में यह कदम इस युद्ध को समाप्त करने में बेहद मददगार होगा.

> ट्रंप ने पत्र में लिखा है, रूस पर चीन का नियंत्रण और उसकी पकड़ काफी मजबूत है और ये कड़े आयात शुल्क उस पकड़ को ढीली कर देंगे. उन्होंने कहा कि यह ट्रंप का युद्ध नहीं है और यदि वह उस समय राष्ट्रपति होते तो यह शुरू ही नहीं होता. उनकी कोशिश सिर्फ यूक्रेन और रूस के हजारों लोगों की जान बचाने की है जो इस युद्ध में मारे जा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है उनके कहे अनुसार चलने पर यह युद्ध जल्द समाप्त हो जायेगा.

आयकर रिटर्न की रफ्तार धीमी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर. देश में आयकर रिटर्न दाखिल करने की रफ्तार जारी है. लेकिन इस बार कई वजहों से करदाता और प्रोफेशनल्स मुश्किल में हैं. टैक्स संगठनों ने 15 सितंबर की डेडलाइन बढ़ाने की मांग उठाई है.

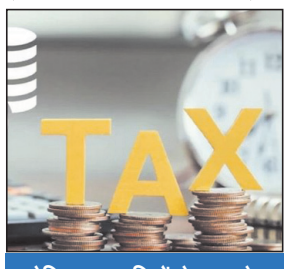

टेक्निकल खामियों से जूझ रहे टैक्स प्रोफेशनल्स

पोर्टल पर गड़बड़ियों की वजह से बढ़ी मुश्किल

आयकर विभाग ने जानकारी दी है कि आकलन वर्ष 2025-26 के लिए अब तक 6 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं. विभाग ने करदाताओं और टैक्स प्रोफेशनल्स का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ITR फाइलिंग की प्रक्रिया तेज़ी से जारी है. हालांकि, पिछले साल की तुलना में रिटर्न दाखिल करने की गति इस बार थोड़ी धीमी रही है. इस बार 15 सितंबर को ITR फाइलिंग की डेडलाइन तय की गई है, जो आमतौर पर 31 जुलाई होती है.

यह परिवर्तन पूंजीगत लाभ कर संबंधी बदलावों और नए ITR फॉर्म्स की देरी के कारण किया गया. फिर भी, कर विशेषज्ञ और टैक्स बॉडीज इस डेडलाइन को आगे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं. कर्नाटक स्टेट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एसोसिएशन, सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल और एडवोकेट्स टैक्स बार एसोसिएशन जैसी संस्थाओं ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड से अंतिम तिथि को आगे बढ़ाने की अपील की है.

शक्ति पम्प्स को 374 करोड़ का ऑर्डर

मुंबई, 14 सितंबर. शेयर बाजार में चर्चा का विषय बना हुआ मल्टीबैगर स्टॉक शक्ति पम्प्स (इंडिया) लिमिटेड एक बार फिर सुर्खियों में है. कंपनी को महाराष्ट्र सरकार से एक बड़ा ऑर्डर मिला है, जिसकी कीमत 374 करोड़ है.

बीते वर्षों में इस स्टॉक ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है, लेकिन हालिया प्रदर्शन मिला-जुला रहा है. क्या यह नया ऑर्डर निवेशकों के लिए फिर से सुनहरा मौका बन सकता है? सौर ऊर्जा से चलने वाले वॉटर पंप बनाने वाली कंपनी शक्ति पम्प्स (इंडिया) लिमिटेड को महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से 374 करोड़ रुपये का नया ऑर्डर मिला है. इस ऑर्डर के तहत कंपनी को 34,720 ऑफ-ग्रिड सोलर वाटर पंपिंग सिस्टम्स की आपूर्ति करनी है. इनमें से 12,451 सिस्टम कंपनी को इस चरण में इंस्टॉल करने होंगे. यह कंपनी के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट है.

चावल नरम, गेहूं-चीनी में आई तेजी

दालों ने पकड़ी रफ्तार खाद्य तेलों में मिला-जुला रुख

नयी दिल्ली, 14 सितंबर. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव गिर गये जबकि गेहूं में तेजी रही. खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया, जबकि दालों के दाम बढ़ गये. घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 18 रुपये कम होकर सप्ताहांत पर 3,759 रुपये प्रति क्विंटल पर रही.

गेहूं 10 रुपये महंगा होकर 2,859.13 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटे की कीमत भी 24 रुपये बढ़ गयी और सप्ताहांत पर यह 3,334.63 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. सरसों तेल की औसत कीमत 68 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. मूंगफली तेल में 288 रुपये और वनस्पति में 112 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गयी. सूरजमखी तेल 70 रुपये और पाम ऑयल 140 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ. वहीं, सोयाबीन तेल 30 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ.

समाचार विशेष

बिहार में कांग्रेस 70 सीटों पर अड़ी

अब प्रियंका संभालेंगी मोर्चा, सीएम फेस पर अल्लावारु का टाल मटोल

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव मुहाने पर दस्तक दे रहा है, लेकिन अभी तक सीट शेयरिंग को लेकर न तो एनडीए में सहमति बन पाई है और न ही महागठंधन में सहमति बनी है. विगत दिनों बिहार चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस नेताओं की एक बैठक हुई.

बैठक में तय हुआ कि कांग्रेस किसी भी कीमत पर 70 से कम सीटों पर नहीं मानेगी. पार्टी दावा किया कि राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा से पूरे बिहार में माहौल बदल गया है. कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह भर गया है.

महागठबंधन में इस पर मुकेश सहनी जुड़ गए हैं. इसलिए सीट शेयरिंग का फार्मूला सेट नहीं हो पा रहा है. राजद इस बार 130 से 140 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है. इसलिए सीटों बंटवारे का गुणा गणित उलझ गया है. ऐसी स्थिति में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी मोर्चा संभालती है.

बिहार में कांग्रेस की तिकड़ी करेगी कमाल?

वोट अधिकार यात्रा के बाद कांग्रेस की तिकड़ी एक बार फिर बिहार दौरे पर आने वाली है. इस बार उन जिलों को टारगेट किया जाएगा, जिन जिलों में वोट अधिकार यात्रा नहीं गई थी. यह दौरा सितंबर के अंत होगा, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी रहेंगी. हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह कार्यक्रम कांग्रेस का होगा या महागठबंधन का, लेकिन बिहार नेतृत्व को कार्यक्रम बनाने के निर्देश दे दिए गये हैं.

राजद, कांग्रेस को सीटें छोड़नी होंगी

पटना. बिहार में विपक्षी गठबंधन की ओर से इस बात का जोर शोर से प्रचार किया गया कि महागठबंधन में दो नई पार्टियों को शामिल किया गया है. झारखंड मुक्ति मोर्चा पहले से झारखंड में महागठबंधन का हिस्सा है लेकिन बिहार में उसके भी साथ आने की घोषणा हुई.

इस घोषणा से पहले बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के समापन कार्यक्रम में झारखंड के मुख्यमंत्री और जेएमएम सुप्रीमो हेमंत सोरेन शामिल हुए थे. उनकी पार्टी के अलावा रामविलास पासवान के भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को भी महागठबंधन में शामिल करने का ऐलान किया गया. तेजस्वी यादव के आवास पर हुई बैठक में इसकी घोषणा हुई. ध्यान रहे महागठबंधन में पहले से छह पार्टियां हैं. राजद और कांग्रेस के अलावा लेफ्ट की तीन पार्टियों और मुकेश सहनी की वीआईपी इसका हिस्सा हैं.

अब दो और पार्टियां इसमें शामिल हो गई हैं. तभी सवाल है कि इन आठ पार्टियों के बीच 243 सीटों का बंटवारा कैसे होगा? कांग्रेस पार्टी पिछली बार लड़ी 70 सीटों में ज्यादा समझौता करने के मूड में नहीं है.

स्वर्णकार समाज ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन

लखनऊ. आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर स्वर्णकार समाज ने अपनी राजनीतिक भागीदारी को मजबूत करने का बड़ा ऐलान किया है. राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के बैनर तले रविवार को महोबा के एक गेस्ट हाउस में आयोजित भव्य कार्यक्रम में समाज ने एकजुट होकर मिशन 2027 की रणनीति बनाई.

समाज ने स्पष्ट किया कि वे उसी राजनीतिक दल का समर्थन करेंगे, जो उन्हें विधानसभा टिकट देगा. स्वर्णकार समाज ने न्यूनतम 30 विधानसभा सीटों पर टिकट और कम से कम 20 विधायक सदन में भेजने का लक्ष्य रखा है. कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए स्वर्णकार समाज के नेताओं और प्रतिनिधियों ने एक स्वर में राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया. राष्ट्रीय स्वर्णकार राजनीतिक भागीदारी मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतेंद्र वर्मा स्वर्णकार, भदोही से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव राकेश वर्मा, बलिया से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद कुमार वर्मा, और अन्य नेताओं ने कहा कि भाजपा के नारे जितनी जिसकी भागीदारी, उतनी उसकी हिस्सेदारी के तहत स्वर्णकार समाज को कम से कम 30 विधानसभा सीटों पर टिकट मिलना चाहिए.

राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतेंद्र वर्मा स्वर्णकार ने कहा कि स्वर्णकार समाज की जनसंख्या और प्रभाव को देखते हुए हमारी राजनीतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित होनी चाहिए. हमारा लक्ष्य है कि 2027 में कम से कम 20 विधायक सदन में स्वर्णकार समाज का प्रतिनिधित्व करें.

न्यायालय तहसीलदार तहसील इटारसी जिला नर्मदापुरम

रा0प्र0क0 0363 बी-121 वर्ष 2024-25

उदघोषणा

1-अनिल कुमार अग्रवाल आ0 शिवदयाल अग्रवाल निवासी वार्ड न0 23 गांधी नगर, चामुण्डा चौराहा इटारसी तहसील इटारसी जिला नर्मदापुरम.....आवेदकगण

बनाम

1-श्री राजेश तिवारी आ0 सुशील तिवारी निवासी भोपाल, 2-रितेष तिवारी आ0 सुशील तिवारी निवासी दुर्ग भिलाई.....अनावेदक

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनिल कुमार अग्रवाल आ0 शिवदयाल अग्रवाल निवासी वार्ड न0 23 गाँधी नगर चामुण्डा चौराहा इटारसी तहसील इटारसी जिला नर्मदापुरम द्वारा इटारसी स्थित भूमि शीट नं0 03 प्लाट न0 13 रकबा 300 वर्गफुट शासकीय गली पर अतिक्रमण के संबंध में प्रकरण क्रं0 363/बी 121/2024-25 विचाराधीन है। जिसमें अनावेदिका कृष्णाबाई पत्नि सुशील तिवारी के फौत होने के उपरान्त आवेदक द्वारा व्यवहार प्रक्रिया संहिता आदेश 22 नियम 04 आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर हल्का पटवारी रिपोर्ट एवं आवेदन पत्र के आधार पर प्रकरण में कृष्णाबाई के पुत्रो 1 राजेश तिवारी निवासी भोपाल 2 रितेष तिवारी निवासी दुर्ग भिलाई को प्रकरण में अनावेदक के रूप से संयोजित किया गया है। शेष वारसानों की जानकारी एवं पता स्पष्ट न होने से प्रकरण में अनावेदक के रूप में यदि कोई वारसान हितबद्ध हो तो आगामी पेशी दिनाँक 19/09/2025 के पूर्व प्रकरण में स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रकरण में संयोजित पक्षकार राजेश तिवारी एवं रितेष तिवारी भी आगामी पेशी दिनांक 19/09/2025 के पूर्व प्रकरण में स्वंय या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत करे उपस्थित होवे। उपस्थित न होने की दशा में एक पक्षीय कार्यवाही निष्पादित की जावेगी। आज दिनाँक 12/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान-तहसील इटारसी

जारी दिनांक - 12/09/2025 तहसीलदार इटारसी (म.प्र.)

विशेष तमाम राजनीतिक हथकंडों को आजमाने लगे हैं तेज प्रताप

लालू के बड़े बेटे की अनोखी सक्रियता

पटना. अपने दम पर राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रहे पूर्व मंत्री तेज प्रताप की इन दिनों सक्रियता बढ़ गई है. इस रास्ते पर चल रहे तेज प्रताप ने उन तमाम राजनीतिक हथकंडों को आजमाना भी शुरू कर दिया है. वह चाहे गंभीर अभियान हों या फिर पॉपुलैरिटी पाने के लटके झटके ,तेज प्रताप किसी न किसी कारण सुर्खियां बटोरते रहते हैं. इस क्रम में चाहे छोटे भाई तेजस्वी यादव को निशाने पर लेना है या वर्तमान नीतीश नीत सरकार पर नाकामयाबी का ठीकरा फोड़ना हो, पीछे नहीं हटते. हां, यह व्यक्त करने का तरीका थोड़ा अलग होता है.

बाढ़ पीड़ितों से दर्द बांटा- बाढ़ पीड़ितों के दर्द से आहत तेज प्रताप यादव राघोपुर विधानसभा में अपने भाई तेजस्वी यादव के विरुद्ध ही खड़े हो गए. उन्हें जैसे ही राघोपुर क्षेत्र के स्थानीय लोगों ने संपर्क कर बाढ़ से हो रही परेशानियां के बारे में बताया वे अपने आप को रोक न सके और बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंच गए. और उनसे जितना भी संभव हुआ राहत सामग्री और मेडिकल सहायता के साथ राघोपुर वासियों के बीच पहुंचे. फिर वर्तमान सरकार पर जम कर बरसे. तेजप्रताप ने नीतीश सरकार की जमकर आलोचना करते कहा कि सरकार और नेता बाढ़ से प्रभावित बिहार के लोगों से मिलने तक नहीं जा पा रहे हैं. राहत सामग्री और अन्य मेडिकल सहायता प्रदान करना तो बहुत दूर की बात है. ऐसी निकम्मी और कोमा में जा चुकी सरकार को इस बार उखाड़ फेंकना है, तभी बिहार से पलायन और बाढ़ जैसी आपदा को रोका सकता है.

तो कभी लगे क्रिकेट खेलने लगे!- बिहार विधानसभा चुनाव को देखते तेज प्रताप युवाओं के बीच किसी न किसी बहाने चले जाते है. बीते मंगलवार को पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव पटना की सड़कों पर क्रिकेट खेल रहे युवाओं को देख खुद को रोक नहीं पाए और इस खेल का मजा लेने बल्ला थाम लिया. तेज प्रताप अपने इस अंदाज में भी सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. इनका खास अंदाज है खिलंदड़पन. वे बल्लेबाजी करते खुद को चुनावी नारे बोलने से रोक नहीं पाए. युवा क्रिकेटरों से पूछा कि रोजगार लेना है न ? जब युवा हां कहते हैं तो तेज प्रताप मजाकिया लहजे में कहते हैं, तो गेंद धीमा फेंको. और यह कह कर हंसते भी हैं. पटना की सड़कों पर क्रिकेट खेलना भी एक सियासी मूव ही हैं. इस तरह से युवाओं में सहज प्रवेश हो जाता है.

गठबंधन का मजबूत राजनीतिक आधार

तेज प्रताप ने इस मुहावरे के दर्द को भी समझा कि अकेला चना भांड नहीं फोड़ता और लोकतंत्र में जीत का स्वाद लेने को कई दलों के साथ गठबंधन कर मजबूत राजनीतिक आधार भी बनाया. इस महा गठबंधन का नाम भी दिया बिहार महा गठबंधन. इसमें जन शक्ति जनता दल के साथ विकास वंचित इंसान पार्टी (वीवीआईपी), भोजपुरिया जन मोर्चा (बीजेएम), प्रगतिशील जनता पार्टी (पीजेपी), वाजिब अधिकार पार्टी और संयुक्त किसान विकास पार्टी (एसकेवीपी) शामिल हैं. इस गठबंधन के तमाम दल को बिहार विधानसभा में जगह बनानी है. और इसकी सार्थकता का पता वर्ष 2025 में होने वाले विधानसभा चुनाव में चलेगा.